दैनिक जागरण

दैनिक जागरण, Prayagraj, 31 January 2019 5

कलाकारों का करतब देख दर्शक हुए मुग्ध

PICS: DAINIK JAGRAN-I NEXT

कलाकारों ने लोकगीत से सबको झुमाया.

PRAYAGRAJ (30 Jan): कहीं कठपुतली का नाच तो कहीं पर लोकनृत्य का कार्यक्रम लोगों को लुभाता रहा. धर्म के रसपान संग सांस्कृतिक प्रोग्राम को देख लोग मंत्रमुग्ध रहे. जगह-जगह आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लोग अपलक निहारते रहे. संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के साथ तमाम सरकारी व प्राइवेट संस्थाओं के कलाकार एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देते रहे. अक्षयवट मंच व भारद्वाज मंच के निकट स्थित कला मंच पर अमेठी के रमेश श्रीवास्तव ने जादू का करतब दिखा कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया. प्रयागराज के सतरंजय कठपुतली दल द्वारा प्रस्तुत किए गए कठपुतली के नृत्य की लोगों ने खूब सराहना की. इस नृत्य के जरिए कलाकार ने धर्म से इंसानियत की सीख देने का अनोखा प्रयास किया. लैप्रोसी मिशन चौराहा और हाथी पार्क कला मंच पर प्रयागराज के संतोष कुमार ने कजरी होली लोकगीत प्रस्तुत कर समा बांध दिया. वहीं गाजीपुर के सुनील कुमार ने लोकनृत्य से लोगों का मनोरंजन किया. अरैल सेक्टर-19 कला मंच और वल्लभभाई मोड़ कला मंच पर लखनऊ के अवतार सिंह एंड ग्रुप ने लोकनृत्य प्रस्तुत किया.

लोकनृत्य ने भी बिखेरा समां.

कठपुतली का खेल रहा आकर्षक.

बांसुरी वादन से मोह लिया मन.

Scanned by CamScanner

दैनिक जागरण

डांडिया और गरबा से सज गई कुंभ की शाम

जासं, कुंभनगर : पंडालों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बुधवार को भी कुंभ की शाम सजी रही। कुंभ परिसर के पांचों मुख्य मंचों पर देशी-विदेशी कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। सेक्टर चार के अक्षयवट मंच पर गुजरात के परवीन भाई का डांडिया और गरबा नृत्य देखा गया। इन नृत्यों के बाद बलिया के गोपाल राय की भोजपुरी प्रस्तुति हुई। फिर मथुरा के मदन लाल शर्मा ने बृज के लोक नृत्य प्रस्तुत किया। इसके बाद श्रीलंका के कलाकारों ने दर्शकों को प्रेम और भक्ति के रंगों से सराबोर किया। श्रीलंकाई कलाकारों ने कुंभ में भारतीय दर्शकों के लिए रामलीला प्रस्तुत किया।

श्रीलंका की यह रामलीला सौंदर्य कला विश्वविद्यालय कोलंबो द्वारा मंचित की गई। सेक्टर छह के ऋषि भारद्वाज मंच पर झारखंड के सुखदेव बंजारे ने पंथी लोकनृत्य किया। प्रतापगढ़ की शिवानी मातनहेलिया ने लोकगायन प्रस्तुत किया। अपनी गजलों से लखनऊ के गायक कमाल खान ने दर्शकों की वाहवाही लूटी। सेक्टर 17 के यमुना मंच पर कोलकाता की अदिति चक्रवर्ती का उपशास्त्रीयगायन हुआ। फिर अहमदाबाद के राजेंद्र रावल की केरवानो वेश नामक प्रस्तुति हुई। केरवानो वेश के बाद मथुरा के कलाकार आशीष सिंह ने दर्शकों को विशेष नृत्य दशावतार कथक बैले दिखाया। लखनऊ की कलाकार नीरजा श्रीवास्तव का सुगम संगीत कार्यक्रम भी पसंद किया गया। सेक्टर 13 के सरस्वती मंच पर दिल्ली की कीर्ति काले के संयोजन में कवि सम्मलेन का आयोजन हुआ। इसमें भाग लेने वाले कवियों में बाराबंकी के अंबरीश अंबर, लखनऊ की स्वाती मिश्रा, प्रतापगढ़ के कपिल तिवारी, फर्रुखाबाद के उत्कर्ष अग्निहोत्री, डॉ. केशव शर्मा, वाराणसी के चंद्रशेखर गोस्वामी, फीरोजाबाद के ओमपाल सिंह निडर, लखनऊ की व्यंजना शुक्ला, उन्नाव की प्रियंका शुक्ला और लखनऊ की सुफलता त्रिपाठी प्रमुख रहीं। इसके अलावा किला चौराहा, अक्षयवट मंच के निकट स्थित कला मंच और भारद्वाज मंच के निकट स्थित कला मंच पर अमेठी के रमेश श्रीवास्तव ने जादू का कार्यक्रम प्रस्तुत किया। प्रयागराज के सतरंजय कठपुतली दल ने कठपुतली का खेल दिखा कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। केपी इंटर कॉलेज, लेप्रोसी मिशन चौराहा और हाथी पार्क मंच पर प्रयागराज के संतोष कुमार ने कजरी होली लोक गीत प्रस्तुत किया। गाजीपुर के सुनील कुमार ने लोकनृत्य का प्रदर्शन कर दर्शकों की वाहवाही लूटी। संस्कृति ग्राम चौराहा, अरैल सेक्टर 19 और वल्लभाचार्य मोड़ मंच पर लखनऊ के अवतार सिंह एंड ग्रुप ने लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। उनके बाद लखनऊ की ही कलाकार नीलम पांडेय के लोकगीतों ने दर्शकों का मन मोह लिया। बैंक चौराहा, सिविल लाइंस बस स्टॉप और पत्थर वाला चर्च मंच पर बांदा के कलाकार रामकिशुन ने पाई डंडा नृत्य प्रस्तुत किया। लखनऊ की कलाकार वीना के लोकगीतों ने समा बांध दिया।

संस्कार भारती में पूर्वोत्तर के कलाकारों की ओर से प्रस्तुत किया जा रहा रंगारंग कार्यक्रम • जागरण

Scanned by CamScanner

आज

प्रयागराज, गुरुवार, ३१ जनवरी, २०१९ ३

'ब्रज बाँसुरी' नृत्य नाटिका देखकर दर्शक हुए भावविभोर

प्रयागराज। दिव्य कुम्भ भव्य कुम्भ की परिकल्पना को साकार करने के क्रम में संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित संस्कृति कुम्भ में बुधवार की शाम महावीर मार्ग स्थित अक्षयवट मंच पर 'ब्रज बाँसुरी' नृत्य नाटिका की भावपूर्ण प्रस्तुति किया। मेले में आये श्रद्धालुओं को भगवान कृष्ण के विभिन्न रुपों एवं लीलाओं को प्रस्तुत कर मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रस्तुति में ४० युवा कलाकारों ने भाग लिया। नृत्य नाटिका का निर्देशन अंतरराष्ट्रीय लोक गायिका वंदना श्री ने किया।

Scanned by CamScanner

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित

स्वतंत्र चेतना

गुरुवार 31 जनवरी 2019

सांस्कृतिक मंचों ने दर्शकों का किया भरपूर मनोरंजन

प्रयागराज (इलाहाबाद): प्रयागराज शहर में स्थित सांस्कृतिक मंचों पर रोज की तरह बुधवार को भी कलाकारों की घूम रही। शहर के सभी 20 मंचों पर सांस्कृतिक गतिविधियाँ सुचारु रहीं और दर्शक-दीर्घा से उन्हें पूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ। किला चौराहा कला-मंच, अक्षयवट मंच के निकट स्थित कला-मंच और भारद्वाज मंच के निकट स्थित कला-मंच पर अमेठी के रमेश श्रीवास्तव ने जादू का कार्यक्रम प्रस्तुत किया। प्रयागराज के सतरंजय कठपुतली दल ने कठपुतली का खेल दिखा कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। केपी इंटर कॉलेज कला-मंच,लेप्रोसी मिशन चौराहा कला-मंच और हाथी पार्क कला-मंच पर प्रयागराज के संतोष कुमार ने कजरी होली लोक गीत प्रस्तुत किया।

इसी तरह गाजीपुर के सुनील कुमार ने लोकनृत्य का प्रदर्शन कर दर्शकों की वाहवाही लूटी। संस्कृति ग्राम चौराहा कला-मंच, अरैल सेक्टर 19 कला-मंच और वल्लभाचार्य मोड़ कला-मंच पर लखनऊ के अवतार सिंह एंड ग्रुप ने लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। लखनऊ की ही कलाकार नीलम पांडेय के लोकगीतों ने दर्शकों का मन मोह लिया। बैंक चौराहा कला-मंच, सिविल लाइंस बस स्टॉप कला-मंच और पत्थर गिरजाघर कला-मंच पर बांदा के कलाकार रामकिशुन ने पाई डंडा नृत्य प्रस्तुत किया। लखनऊ की कलाकार बिना के लोके गीतों ने समा बाँध दिया, बालसन चौराहा कला-मंच, इंद्रमूर्ति चौराहा कला-मंच और सुभाष चौराहा कला-मंच पर पंथा, उत्तरप्रदेश के धर्मपाल सिंह ने नाटक का मंचन किया। वहीं बिहार के कन्हैया कुमार झा ने अपनी जादू की प्रस्तुति से महफिल लूट ली। विश्वविद्यालय तिराहा कला-मंच और राजापुर ट्रैफिक चौराहा कला-मंच पर दर्शकों ने प्रयागराज के सत्यप्रकाश पटेल ने लोक गीत बिरहा सुना। लखनऊ के नाटककार सुब्रत राय ने एक नाटक का मंचन किया जिसने दर्शकों को काफी हद तक प्रभावित किया। हीरालाल हलवाई कला-मंच, सरस्वती घाट-नैनी ब्रिज कला-मंच और प्रयागराज जंक्शन कला-मंच पर आज लखनऊ के लोक रंग फाउंडेशन के कलाकारों ने लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। बिहार के मनीष कुमार सिंह ने कठपुतली का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसे दर्शकों ने बहुत पसंद किया।

न्यूज डायरी

'ब्रज बाँसुरी' नृत्य नाटिका देख दर्शक हुए भावविभोर

प्रयागराज। दिव्य कुम्भ भव्य कुम्भ की परिकल्पना को साकार करने के क्रम में संसति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित संसति कुम्भ में बुधवार की शाम महावीर मार्ग स्थित अक्षयवट मंच पर 'ब्रज बाँसुरी' नृत्य नाटिका की भावपूर्ण प्रस्तुति किया। मेले में आये श्रद्धालुओं को भगवान ष्ण के विभिन्न रुपों एवं लीलाओं को प्रस्तुत कर मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रस्तुति में 40 युवा कलाकारों ने भाग लिया। नृत्य नाटिका का निर्देशन अंतरराष्ट्रीय लोक गायिका वंदना श्री ने किया।

श्रीमती वंदना श्री ने बताया कि इससे पूर्व इस नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देश के विभिन्न राज्यों सहित नेपालए साउथ कोरियाए भूटान ए दुबई ए मरीशस आदि जगहों पर भी हो चुकी है। इसी क्रम में अहमदाबाद से आये राजेन्द्र रावल ने केरवानो नृत्य एवं बलिया से आये गोपाल राय ने भोजपुरी भक्ति गीत प्रस्तुत किया।

Scanned by CamScanner

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

'बहुत नीक लागै यह संगम नगरी..' पर झूमे

प्रयागराज। कुम्भ के सेक्टर छह में स्थित भरद्वाज सांस्कृतिक मंच पर लोक संगीत की सुर-सरिता में भक्त डूबे रहे। संस्कृति विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में प्रतापगढ़ की 'यश भारती' सम्मान से सम्मानित कलाकार डॉ. शिवानी मातनहेलिया ने लोकगीत प्रस्तुत कर समां बांध दिया। उन्होंने मां गंगा को समर्पित अवधी गीत 'दौड़त आवत जहां दुनिया सगरी, बहुत नीक लागै यह संगम नगरी..' गीत से की। साथ ही 'जय..जय भगीरथी नंदिनी..हे मातु गंगे सरित पावनी..' की मोहक प्रस्तुति की।

Scanned by CamScanner

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

लखनऊ। बृहस्पतिवार • 31 जनवरी • 2019

लोकनृत्यों का संगम

पाई डंडा के साथ कठपुतलियों के खेल

प्रयागराज। कुंभ मेले के साथ शहर के भी सांस्कृतिक मंचों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम है। शहर के 20 कला मंचों के जरिये विभिन्न प्रदेशों के कलाकार अपने कला का प्रदर्शन कर रहे हैं और श्रोताओं-दर्शकों को यह खासा भा भी रहा है। बांदा के कलाकार रामकिशुन ने पाई डंडा नृत्य प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी।

सांस्कृतिक मंचों पर प्रस्तुत किये गए विविध कार्यक्रम

किला चौराहा कला-मंच, अक्षयवट मंच के निकट स्थित कला-मंच और भारद्वाज मंच के निकट स्थित कला-मंच पर बुधवार को अमेठी के रमेश श्रीवास्तव ने जादू का कार्यक्रम प्रस्तुत किया। प्रयागराज के सतरंजय कठपुतली दल ने कठपुतली का खेल दिखा कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। केपी इंटर कलेज कला-मंच, लेप्रोसी मिशन चौराहा कला-मंच और हाथी पार्क कला-मंच पर प्रयागराज के संतोष कुमार ने कजरी होली लोक गीत प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी तो गाजीपुर के सुनील कुमार के लोकनृत्य को खूब सराहना मिली। संस्कृति ग्राम चौराहा कला-मंच, अरैल सेक्टर 19 कला-मंच और वल्लभाचार्य मोड़ कला-मंच पर लखनऊ के अवतार सिंह एंड ग्रुप ने लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। उनके बाद लखनऊ की ही कलाकार नीलम पांडेय के लोकगीतों ने श्रोताओं का मन मोह लिया। बैंक चौराहा कला-मंच, सिविल लाइंस बस स्टप कला-मंच और पत्थर वाला चर्च कला-मंच पर बांदा के कलाकार रामकिशुन ने पाई डंडा नृत्य प्रस्तुत किया। उनके बाद लखनऊ की कलाकार बिना के लोक गीतों ने समा बांध दिया। बालसन चौराहा कला-मंच, इंदिरा मूर्ति चौराहा कला-मंच और सुभाष चौराहा कला-मंच पर आज पंथा, उत्तर प्रदेश के धर्मपाल सिंह ने नाटक का मंचन किया। उनके बाद बिहार के कन्हैया कुमार झा ने अपनी जादू की प्रस्तुति से महफिल लूट ली। विश्वविद्यालय तिराहा कला-मंच और राजापुर ट्रैफिक चौराहा कला-मंच पर श्रोताओं ने प्रयागराज के सत्यप्रकाश पटेल ने लोक गीत बिरहा सुना। लखनऊ के नाटककार सुब्रत राय ने नाटक का मंचन किया जिसने दर्शकों को प्रभावित किया। हीरालाल हलवाई कला-मंच, सरस्वती घाट-नैनी ब्रिज कला-मंच और प्रयागराज जंक्शन कला-मंच पर लखनऊ के लोक रंग फाउंडेशन के कलाकारों ने लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। बिहार के मनीष कुमार सिंह ने कठपुतली का कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

Scanned by CamScanner

दैनिक समाचार पत्र

चेतना विचारधारा

प्रयागराज ,गुरुवार 31 जनवरी , 2019

सांस्कृतिक मंचों ने दर्शकों का किया भरपूर मनोरंजन

प्रयागराज (इलाहाबाद): प्रयागराज शहर में स्थित सांस्कृतिक मंचों पर रोज की तरह बुधवार को भी कलाकारों की धूम रही। शहर के सभी 20 मंचों पर सांस्कृतिक गतिविधियाँ सुचारु रहीं और दर्शक-दीर्घा से उन्हें पूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ। किला चौराहा कला-मंच, अक्षयवट मंच के निकट स्थित कला-मंच और भारद्वाज मंच के निकट स्थित कला-मंच पर अमेठी के रमेश श्रीवास्तव ने जादू का कार्यक्रम प्रस्तुत किया। प्रयागराज के सतरंजय कठपुतली दल ने कठपुतली का खेल दिखा कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। केपी इंटर कॉलेज कला-मंच,लेप्रोसी मिशन चौराहा कला-मंच और हाथी पार्क कला-मंच पर प्रयागराज के संतोष कुमार ने कजरी होली लोक गीत प्रस्तुत किया।

इसी तरह गाजीपुर के सुनील कुमार ने लोकनृत्य का प्रदर्शन कर दर्शकों की वाहवाही लूटी। संस्कृति ग्राम चौराहा कला-मंच, अरैल सेक्टर 19 कला-मंच और वल्लभाचार्य मोड़ कला-मंच पर लखनऊ के अवतार सिंह एंड ग्रुप ने लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। लखनऊ की ही कलाकार नीलम पांडेय के लोकगीतों ने दर्शकों का मन मोह लिया। बैंक चौराहा कला-मंच, सिविल लाइंस बस स्टॉप कला-मंच और पत्थर गिरजाघर कला-मंच पर बांदा के कलाकार रामकिशुन ने पाई डंडा नृत्य प्रस्तुत किया। लखनऊ की कलाकार बिना के लोक गीतों ने समा बाँध दिया, बालसन चौराहा कला-मंच, इंद्रमूर्ति चौराहा कला-मंच और सुभाष चौराहा कला-मंच पर पंथा, उत्तरप्रदेश के धर्मपाल सिंह ने नाटक का मंचन किया। वहीं बिहार के कन्हैया कुमार झा ने अपनी जादू की प्रस्तुति से महफिल लूट ली। विश्वविद्यालय तिराहा कला-मंच और राजापुर ट्रैफिक चौराहा कला-मंच पर दर्शकों ने प्रयागराज के सत्यप्रकाश पटेल ने लोक गीत बिरहा सुना। लखनऊ के नाटककार सुब्रत राय ने एक नाटक का मंचन किया जिसने दर्शकों को काफी हद तक प्रभावित किया। हीरालाल हलवाई कला-मंच, सरस्वती घाट-नैनी ब्रिज कला-मंच और प्रयागराज जंक्शन कला-मंच पर आज लखनऊ के लोक रंग फाउंडेशन के कलाकारों ने लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। बिहार के मनीष कुमार सिंह ने कठपुतली का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसे दर्शकों ने बहुत पसंद किया।

Scanned by CamScanner

प्रयागराज, गुरुवार, 31 जनवरी, 2019

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

प्रयागराज, गुरुवार, 31 जनवरी, 2019

सांस्कृतिक मंचों पर रही कलाकारों की धूम

जनसंदेश न्यूज

प्रयागराज। शहर में स्थित सांस्कृतिक मन्चों पर रोज की तरह बुधवार को भी कलाकारों की धूम रही। शहर के सभी 20 मन्चों पर सांस्कृतिक गतिविधियाँ सुचारु रहीं और दर्शक-दीर्घा से उन्हें पूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ। किला चौराहा कला-मंच, अक्षयवट मंच के निकट स्थित कला-मंच और भारद्वाज मंच के निकट स्थित कला-मंच पर आज अमेठी के रमेश श्रीवास्तव ने जादू का कार्यक्रम प्रस्तुत किया. प्रयागराज के सतरंजय कठपुतली दल ने कठपुतली का खेल दिखा कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। केपी इंटर कॉलेज कला-मंच, लेप्रोसी मिशन चौराहा कला-मंच और हाथी पार्क कला-मंच पर आज प्रयागराज के संतोष कुमार ने कजरी होली लोक गीत प्रस्तुत किया. गाजीपुर के सुनील कुमार ने लोकनृत्य का प्रदर्शन कर दर्शकों की वाहवाही लूटी। संस्कृति ग्राम चौराहा कला-मंच, अरैल सेक्टर 19 कला-मंच और वल्लभाचार्य मोड़ कला-मंच पर आज लखनऊ के अवतार सिंह एंड ग्रुप ने लोकनृत्य की प्रस्तुति दी. उनके बाद लखनऊ की ही कलाकार नीलम पांडेय के लोकगीतों ने दर्शकों का मन मोह लिया. बैंक चौराहा कला-मंच, सिविल लाईस बस स्टॉप कला-मंच और पत्थर वाला चर्च कला-मंच पर आज बांदा के कलाकार रामकिशुन नेपाई डंडा नृत्य प्रस्तुत किया. उनके बाद लखनऊ की कलाकार बिना के लोक गीतों ने समा बाँध दिया। बालसन चौराहा कला-मंच, इंद्रमूर्ति चौराहा कला-मंच और सुभाष चौराहा कला-मंच पर आज पंथा, उत्तरप्रदेश के धर्मपाल सिंह ने नाटक का मंचन किया. उनके बाद बिहार के कन्हैया कुमार झा ने अपनी जादू की प्रस्तुति से महफिल लूट ली. विश्वविद्यालय तिराहा कला-मंच और राजापुर ट्रैफिक चौराहा कला-मंच पर आज दर्शकों ने प्रयागराज के सत्यप्रकाश पटेल ने लोक गीत बिरहा सुना. लखनऊ के नाटककार सुब्रत राय ने एक नाटक का मंचन किया जिसने दर्शकों को काफी हद तक प्रभावित किया. हीरालाल हलवाई कला-मंच, सरस्वती घाट-नैनी ब्रिज कला-मंच और प्रयागराज जंक्शन कला-मंच पर आज लखनऊ के लोक रंग फाउंडेशन के कलाकारों ने लोक नृत्य की प्रस्तुति दी. उनके उपरान्त बिहार के मनीष कुमार सिंह ने कठपुतली का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसे दर्शकों ने बहुत पसंद किया।

कजरी होली गीत प्रस्तुत करते संतोष कुमार व टीम

कठपुतली नृत्य प्रस्तुत करते मनीष कुमार सिंह

Scanned by CamScanner

अमर उजाला

अमर उजाला
प्रयागराज ■ बृहस्पतिवार, 31 जनवरी 2019
कुंभ 2019 प्रयागराज
4

लघुमंचः कलाकार हैं, लेकिन देखने वाले नहीं

कुंभ के दौरान लोककलाओं के प्रचार को बनाए गए 20 अस्थायी मंच, गिनेचुने दर्शक ही हैं पहुंचते

अमित सिंह

प्रयागराज। कुंभ के दौरान देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं को भारतीय संस्कृति से परिचित कराने के लिए पूरे शहर में 20 अस्थायी लघुमंच स्थापित किए हैं। इन मंचों पर कलाकार तो दिखते हैं, लेकिन दर्शक नहीं मिल रहे। इससे कलाकारों का मनोबल तो गिर रहा है, मेले की व्यापकता के लिए प्रशासन द्वारा की गई कवायद पर भी पानी फिर रहा है। भारतीय लोककला महासंघ अध्यक्ष का कहना है कि मंचों की स्थापना सही जगह न होने से कलाकारों को निराश होना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार लोक कलाओं को बचाने और कुंभ के दौरान उनका प्रचार-प्रसार करने के लिए सांस्कृतिक विभाग ने शहर के 20 प्रमुख स्थानों पर लघुमंच स्थापित किए हैं। चार-पांच प्रमुख स्थानों को छोड़ दिया जाए तो लगभग हर लघुमंच के कार्यक्रम में लगभग गिने चुने दर्शक ही मिल पा रहे हैं, जबकि पूरे तीन में हर मंच पर तीन बार कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। केपीयूसी के बगल में लगे हुए मंच के स्टेज प्रभारी वेदांग त्रिपाठी ने बताया कि वो 16 कार्यक्रम संपन्न करा चुके हैं, लेकिन अक्सर कलाकार दर्शकों की कम संख्या से निराश होते हैं। कभी कभी ऐसा भी होंता है कि कुछ दर्शकों में ही पूरा कार्यक्रम समाप्त हो जाता है। हंडिया के अजुग नारायण हंडिया के निवासी हैं, इनकी सरस्वती लोकसंगीत पार्टी है। अजुग ने बताया कि रोड के बगल मंच होने से दर्शक रुकते नहीं हैं बल्कि चलते हुए देख कर निकल जाते हैं।

इन स्थानों पर बने लघुमंच

रीवा-मिर्जापुर-प्रयाग, गऊघाट, कीडगंज, प्रदर्शनी स्थल, किला चौराहा, हाईकोर्ट, धूमनगंज रोड, दरभंगा चौराहा से कुंभ मेला, सिविल लाइंस पत्थर गिरिजाघर, बालसन चौराहा, जानसेनगंज चौराहा, खुसरोबाग, पुराना किला, लोकसेवा आयोग, सोहबतियाबाग, मानसरोवर सिनेमा चौराहा, यूनिवर्सिटी रोड चौराहा, अरैल, कानपुर रोड, ट्रैफिक चौराहा व बहुगुणा चौराहा।

इन मंचों को देखकर ऐसा लगता है कि प्रशासन ने केवल मेले का फैलाव दिखाने के लिए इसे स्थापित किया है। मंचों का निर्धारण करते वक्त हड़बड़ी न करते हुए थोड़ा और सूझबूझ दिखाने की जरूरत थी। अधिकतर मंच रोड के बगल ही स्थापित हैं, चलते-चलते थोड़ी कोई कार्यक्रम देखता है। कलाकारों में निराशा स्वाभाविक है।

अतुल यदुवंशी (अध्यक्ष भारतीय लोककला महासंघ)

Scanned by CamScanner

TITLE CODE- UPHIN 48779

तपिश मिरर

प्रयागराज, गुरूवार 31 जनवरी, 2019 3

संस्कृति विभाग द्वारा सांस्कृतिक मंचो पर प्रस्तुत किये गए कार्यक्रम

प्रयागराज। शहर में स्थित सांस्कृतिक मन्चों पर रोज की तरह आज भी कलाकारों की धूम रही। शहर के सभी 20 मन्चों पर सांस्कृतिक गतिविधियाँ सुचारु रहीं और दर्शक-दीर्घा से उन्हें पूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ। किला चौराहा कला-मंच, अक्षयवट मंच के निकट स्थित कला-मंच और भारद्वाज मंच के निकट स्थित कला-मंच पर आज अमेठी के रमेश श्रीवास्तव ने जादू का कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

प्रयागराज के सतरंजय कठपुतली दल ने कठपुतली का खेल दिखा कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। केपी इंटर कॉलेज कला-मंच, लेप्रोसी मिशन चौराहा कला-मंच और हाथी पार्क कला-मंच पर आज प्रयागराज के संतोष कुमार ने कजरी होली लोक गीत प्रस्तुत किया। गाजीपुर के सुनील कुमार ने लोकनृत्य का प्रदर्शन कर दर्शकों की वाहवाही लूटी। संस्कृति ग्राम चौराहा कला-मंच, अरैल सेक्टर 19 कला-मंच और वल्लभाचार्य मोड़ कला-मंच पर आज लखनऊ के अवतार सिंह एंड ग्रुप ने लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। उनके बाद लखनऊ की ही कलाकार नीलम पांडेय के लोकगीतों ने दर्शकों का मन मोह लिया। बैंक चौराहा कला-मंच, सिविल लाइंस बस स्टॉप कला-मंच और पत्थर वाला चर्च कला-मंच पर आज बांदा के कलाकार रामकिशुन ने पाई डंडा नृत्य प्रस्तुत किया। उनके बाद लखनऊ की कलाकार बिना के लोक गीतों ने समा बाँध दिया।

बालसन चौराहा कला-मंच, इंद्रमूर्ति चौराहा कला-मंच और सुभाष चौराहा कला-मंच पर आज पंथा, उत्तरप्रदेश के धर्मपाल सिंह ने नाटक का मंचन किया. उनके बाद बिहार के कन्हैया कुमार झा ने अपनी जादू की प्रस्तुति से महफिल लूट ली। विश्वविद्यालय तिराहा कला-मंच और राजापुर ट्रैफिक चौराहा कला-मंच पर आज दर्शकों ने प्रयागराज के सत्यप्रकाश पटेल ने लोक गीत बिरहा सुना। लखनऊ के नाटककार सुब्रत राय ने एक नाटक का मंचन किया जिसने दर्शकों को काफी हद तक प्रभावित किया।

हीरालाल हलवाई कला-मंच, सरस्वती घाट-नैनी ब्रिज कला-मंच और प्रयागराज जंक्शन कला-मंच पर आज लखनऊ के लोक रंग फाउंडेशन के कलाकारों ने लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। इसके उपरान्त बिहार के मनीष कुमार सिंह ने कठपुतली का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसे दर्शकों ने बहुत पसंद किया।

'ब्रज बाँसुरी' नृत्य नाटिका देख दर्शक हुए भावविभोर

प्रयागराज। दिव्य कुम्भ भव्य कुम्भ की परिकल्पना को साकार करने के क्रम में संसति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित संसति कुम्भ में बुधवार की शाम महावीर मार्ग स्थित अक्षयवट मंच पर 'ब्रज बाँसुरी' नृत्य नाटिका की भावपूर्ण प्रस्तुति किया। मेले में आये श्रद्धालुओं को भगवान कृष्ण के विभिन्न रुपों एवं लीलाओं को प्रस्तुत कर मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रस्तुति में 40 युवा कलाकारों ने भाग लिया। नृत्य नाटिका का निर्देशन अंतरराष्ट्रीय लोक गायिका वंदना ने किया।

श्रीमती वंदना ने बताया कि इससे पूर्व इस नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देश के विभिन्न राज्यों सहित नेपालए साउथ कोरियाए भूटान ए दुबई ए मरीशस आदि जगहों पर भी हो चुकी है। इसी क्रम में अहमदाबाद से आये राजेन्द्र रावल ने केरवानो नृत्य एवं बलिया से आये गोपाल राय ने भोजपुरी भक्ति गीत प्रस्तुत किया।

Scanned by CamScanner